Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: ARUN MALVIYA		Subject/Code:	ESSAY
UPSC Roll No: 7806712		Date:	07/07/24
Drishti Id:		E-mail Id:	[redacted]
Centre: Mukharjee Nagar, Delhi		Medium:	HINDI

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only				
Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	Arun (R)
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☑		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और प्रतिस्थापन के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substiation	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: "भविष्य या तो हरा होगा या तो होगा ही नही" (The future is green or not at all)

बिते कुछ दिनों पहले 'नेशनल हिस्टोरिक चैनल' पर आई दक्षिण अफ्रीका के निकटवर्ती रेगिस्तानी क्षेत्र नामिबिया में एक मादा शेरनी की कहानी, जो रेगिस्तान में अपने नन्हे बच्चों के खाने के लिए ढुढती शिकार के समय की कहानी हृदय विदारक है। अत्यधिक मरुभवनीकरण तथा हरे जंगलो का अभाव एवं उनसे वहाँ प्राथमिक उपभोक्ताओ की कमी के कारण नामीबिया के मरुस्थल की पुरी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो रही। मादा शेरनी के लंबे समय तक भटकते रहने तथा खाने के अभाव में उसके सभी नवजात बच्चे मारे गए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जानवरो का भविष्य धूस्व तथा ग्लोबल वार्मिंग के कारण लगातार व्युत्क्रम अवस्था में गुजर रहा है।

वर्तमान में पर्यावरणविदो के लिए तो यह चिंता का सबब बना ही हुआ है परंतु साथ ही आमजन भी आज इससे प्रत्यक्षत: प्रभावित होता दिखाई दे जाता है। इसी वर्ष -2024 की असहनशील गर्मी, लू तथा हीट वेव हम सबने देखी है।

हमारा भविष्य इस तरीके से आगे लंबे समय तक चला पाना मुश्किल प्रतीत होता है। भविष्य के संदर्भ में कई विद्वानो ने यह घोषणा पहले ही कर दी है कि,
"या तो हमारा आने वाला कल हरा होगा या फिर होगा ही नहीं।"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर्यावरण विदो की यह मंतव्य यथार्थ प्रतीत भी होता है। क्योंकि यदि सुप्रसिद्ध लेखिका रोमिला थापर के ऐतिहासिक दृष्टिकोण को देखा जाए तो उन्होंने हमारी प्राचीन हड़प्पा सभ्यता के विनाश का एक कारण आपदा भी माना है, जो प्राकृतिक तत्वों से अवांछनीय छेड़छाड़ के कारण उत्पन्न हुई।

वर्तमान समय में भी वैज्ञानिको ने 'छठवें वृहद विलोपन' (6th Mass EXtention) का भी जिक्र अपने शोध-पत्रों में किया है जो दिखाता है कि निकट भविष्य में यदि हमने 'हरियाली' को बढ़ावा नही दिया तो मानव सभ्यता एक बार पुन: प्राचीन समय में डायनासोर विलुप्तिकरण जैसी और अधिक भयावह विलोपन झेलने की दिशा में आगे बढ़ रही है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम अपने भविष्य को किस तरीके से देखते है हमें यह समझना भी जरूरी है। BBC हिन्दी की वेबसाइड पर पब्लिश रिपोर्ट के अनुसार हमारे ग्रहवासियो के समक्ष दो विकल्प है- या तो हम अत्यधिक पूँजी खर्च करके अत्यधिक नवीनतम प्रौद्योगिकी (यंत्रो) द्वारा हमारी धरती को हरा करे. जिसे वह 'क्यूरेटिव मैथेड' कहती है अथवा वनीकरण बढ़ाकर तथा ऐसी हानिकारक प्रणालियो को त्यागकर जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए (प्रिवेंटिव मैथेड) को अपनाना होगा।

वर्तमान समय में हमारी पीढ़ी दोहरे आघात की स्थिति को झेल रही है एक और तो हम अत्यधिक AC/कुलर आदि चलाकर अपने आप को शीतल रखते है तो वही ये उपकरण लगातार पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे है जो भविष्य में और अधिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मौसम परिवर्तन के रूप में हमारे समक्ष प्रकट होकर सामने आएगा।

भविष्य के हरा होने की अवधारणा वर्तमान समय में सबसे चर्चित एवं मुख्य विषय केन्द्रित है। पिछले वर्षों ब्राजील में हुए चुनाव सुर्खियों में छाए रहें क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति असंवेदनशील रवैये के कारण सत्ता से बाहर हो गई।

बड़ी आपदाओं से बचाने के लिए जैसे- अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में लगातार बढ़ता मरुस्थलीकरण जहाँ वैश्विक चिंता का विषय है तो वही राजस्थान के जैसलमेर में चिलचिलाती गर्मी भारत सरकार के लिए एक प्रमुख चुनौती है। इस आपदाओं से बचने के लिए हमें 'हरे भविष्य' की ओर अनुसरण होना होगा।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

'हरे भविष्य' की यह अवधारणा हमारे मानव सभ्यता सहित सम्पूर्ण चर-अचर प्रजातियों के लिए भी आवश्यक है। कुछ समय पहले ग्लासगो में आयोजित Cop-26 सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी ने 3P अर्थात् 'प्रो प्लानेट प्युपिल' की अवधारणा मिशन LIFE के तहत दी। जो हमारे सतत एवं हरे भविष्य की प्रतिबद्धता पूर्ण करता है।

भविष्य ग्रीन अवधारणा के बिना अधूरा या बिल्कुल नहीं जान पड़ता है क्योंकि 'हरापन' ही शुरुआत का प्रतीक है। पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी जैसे शाखाओं में हम पढ़ते है कि हरे पौधे ही प्राथमिक उत्पादक है जिन पर पूरी खाद्य-श्रृंखला एवं खाद्य जाल टिका होता है। कुछ भी अवांछनीय गड़बड़ी बड़े खतरे उत्पन्न कर सकते है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके साथ ही हम प्राणियो के जीवन की महत्वपूर्ण जैविक प्रक्रिया 'श्वसन' भी इसी हरेपन पर निर्भर है। पेड़-पौधो की हरी-पत्तियो में पाई जाने वाला मैगनीशियम मिश्रित रसायनिक प्रक्रियाओ के पश्चात् भोज्य उत्पन्न कर प्राणदायक ऑक्सिजन का निर्माण करता है।

इसके साथ यदि हम खगोलशास्त्रीय दृष्टि से देखे तो भी 'हरापन' की प्रवृत्ति हमारे ग्रह पृथ्वी की मौलिकता को दर्शाता है। हमारी पृथ्वी नीला एवं हरा के मिश्रण से जीवधारियो में चिंतन एवं बोधगम्यता पैदा करती है।

अन्त रूप में हरा भविष्य व्यक्तिगत एवं सामुदिक रूप के साथ साथ वैश्विक एवं खगोल शास्त्रीय स्तर तक हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'हरे भविष्य' को फलीभूत करने की परम्परा प्राचीन समय से प्रचलन में है राजस्थान की अमृता देवी बिश्नोई, सुन्दरलाल बहुगुणा, नर्मदा बचाओ आंदोलन के नेता आमिर खान, मेधा पाटकर से लेकर कैलाश सांखला तथा अंतर्राष्ट्रीय चर्चित ग्रेटा थुनबर्ग हरा भविष्य पर बल देते है

व्यक्तिगत स्तर के साथ साथ अब तो सरकार, नागरिक संगठन भी आपस में सांमजस्य स्थापित कर हमारे भविष्य को हरा बनाने पर बल दे रहे है अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में बढ़ते मरुस्थलीकरण को रोकने "द ग्रेट ग्रीन वाल" (The Great Green wall) जैसे प्रोजेक्ट बनाए जा रहे है भारत सरकार अरावली क्षेत्र के आसपास वनीकरण को बल रही है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके अतिरिक्त कुछ शहरों के मॉडल ग्रीन प्रोजेक्ट जैसे हैदराबाद शहर ने अपने यहाँ वनीकरण को एक श्रेष्ठता प्रस्तुत कर नगरीय-वन की अवधारणा को सारभूत किया है। 'मियावकी जैसी पद्धति' इस संदर्भ में रामबाण सिद्ध हुई है। चंडीगढ़ शहर एवं इन्दौर शहर के हरी शहर (Green city) भी प्रत्यक्षत: हरे भविष्य का साक्षात्कार है।

ये शहर खुशहाली की ओर बढ़ भी रहे हैं। इसी प्रकार भूटान जहाँ नेट-शून्य की अवधारणा को 'अचीव' कर लिया गया है यह शहर भी अपने भविष्य को लेकर अधिक चिंतित नहीं हैं। परंतु इंडोनेशिया तथा चीन, अमेरिका जैसे देश 'हरे भविष्य के बिना' कई भारी जोखिमों का खतरा उठा रहे हैं।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्पष्टतः कहा जा सकता है कि हमारा भविष्य 'ग्रीन अवधारणाओं' से ही आगे अधिक संभावनाओं के साथ जारी रहेगा।

"जब अंतिम पेड़ काट लिया जाएगा, जब अंतिम नदी सूख दी जाएगी, जब अंतिम मछली का भी शिकार करके व्यापार/वाणिज्य में प्रयोग कर लिया जाएगा। तब हम पाएंगे की पैसों को खाया नहीं जा सकता है।"

वर्तमान समय में हम अपने 'हरे भविष्य' को प्राथमिकता देते हुए ही सिर्फ 'आर्थिक संवृद्धि' की बात नहीं करते वरन् हरित GDP, 'ग्रीन अकांउटिंग', ग्रीन इन्वेस्टमेंट, ग्रीन सोवरेन बॉण्ड इत्यादि अवधारणाओं को अपनी अर्थव्यवस्था (हरित अर्थव्यवस्था) के केन्द्र में रख रहे हैं

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हमारा भविष्य हरा एवं सातत्य (Suistainablity) की गोद में पलकर ही बड़ा हो सकता है हरे भविष्य के अभाव में हम या तो गर्भावस्था में ही समाप्त हो जाएंगे अथवा जन्म के कुछ समय तक ही जीवित रह सकते है

हमारा शरीर अनुकूलनता (Adoptablity) की क्षमताओं को धारण करता है। परंतु कहा जाता है कि उत्तरजीविता एक अपवाद है यदि इसे हमें नियम बनाना है तो संतुलन बनाने के साथ प्राकृतिक तत्वों के साथ न्यूनतम छेड़छाड़ करनी होगी। क्योंकि प्रकृति में हरे पौधों का उगना शाश्वत है जो बर्फीले क्षेत्रों, ऊँची पहाड़ियों से लेकर समुद्र की गर्त तक में होता है उसमें अवांछनीय परिवर्तन जीवधारियों द्वारा अपने नीजि स्वार्थों की सिद्धि हेतु किया जाता है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसलिए हमें इस बात को समझना ही है, की सतत विकास तथा 'ग्रीन अवधारणा' के बिना हमारा जीवन निकट भविष्य में असंभव-सा प्रतीत हो जाएगा। इसके अभाव में ~~बिना~~ हम अपने 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG Goals) को 2030 तक पाने से पिछड़ भी जाएंगे।

एक प्यारी-सी कल्पना करते है कि यदि वह नामिबीया के रेगिस्तान की मादा शेरनी शिकार की तलाश कर अपने बच्चों को भोज्य पदार्थ दे पाती तो उस क्षेत्र में जीवधारियों की एक नवीन पीढ़ी का उद्‌विकास आगे बढ़ता, खाद्य-श्रृंखला सतत रूप से आगे बढ़ती तथा प्राकृतिक जीवनशैली सुचारु रूप से गमन करते हुई दिखती।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह कल्पना हकीकत में तब्दील हो सकती है यदि हम अपने भविष्य को हरा देखे तथा 'मिशन-Life' को अपने जीवन में अंगीकार कर ले।

"यदि मनुष्य दृढ़ निश्चयी होकर ठान ले कि वह अपने 'व्यक्तिगत जीवन' तथा 'सामुहिक जीवन' पर्यावरणीय हितो के अनुरूप व्यतीत करेगा तो हमारी पृथ्वी पर 'स्वर्णिम हरा भविष्य' संभव हो सकता है"

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण प्रोग्राम (UNEP)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Topic:

"सभ्यता का मार्ग विपदा और शिक्षा के बीच की दौड़ है"
'Civilization is race between education and Catastrophe!'

1789, यह वर्ष विश्व इतिहास की सर्वश्रेष्ठ घटनाओ में से एक की याद दिलाता है। इस वर्ष विपदा और शिक्षा की कहानी से हमारी मानव सभ्यता आगे बढ़ी। दरअसल, इसी वर्ष में फ्रांस की क्रांति घटित हुई थी। जहाँ एक ओर विपदा के रूप में कई लोगो की जान गई, हिंसा हुई तो वही शिक्षा के रूप में हमनें स्वतंत्रता, समानता तथा बन्धुत्व जैसे मूल मानवीय तत्वों को सीखा।

इन्ही दो तत्वो के सहारे हमारे सभ्यता आगे की और गतिशील हुई तथा सम्पूर्ण विश्व को 'एकत्व' का संदेश दिया।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सभ्यता की दौड़ विपदा और शिक्षा के सहारे ही आगे गतीशील होती है। सभ्यता, हमारी संस्कृति का ही एक भौतिक रूप है जिसमें भौतिकता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मूर्त रूप दिखाई देता है। सभ्यता के मार्ग में विपदा आती है और यह विपदा सभ्यता को सबक (शिक्षा) सिखाकर उसे और अधिक निखारती है।

सभ्यता की ऐसी अनगिनत कहानियां हैं जैसे जब वैदिक संस्कृति में कुरुतियो का बोलबाला अधिक होने लगा तब छठवी शताब्दी ईसा पूर्व में महावीर जैन तथा महात्मा बुद्ध इस संस्कृति के समक्ष चुनौति के रूप में उभरे। तत्पश्चात् बौद्ध और जैन की वांछनीय बातो को धारण कर वैदिक संस्कृति ने अपने में सुधार किया।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विपदा और शिक्षा ही जो सभ्यता को आगे बढ़ाती है परंतु कभी-कभी 'विपदा और शिक्षा' में असंतुलन की अवस्था सभ्यता पर प्रतिकूल असर डाल देती है हांलाकि इसके पश्चात एक नई सभ्यता का विकास होता है जो अपनी पुरानी सभ्यताओं की समस्याओं के निराकरण के रूप में सबके समक्ष आती है।

रूस की बोल्शेविक क्रांति से हम सभी भलीभांती वाकिफ है इसी क्रांति ने जारशाही को तो समाप्त कर दिया परंतु लेनिन तथा स्टालिन जैसे नवीन नेताओं तथा नई विचारधाराओं के साथ सम्पूर्ण विश्व को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक न्याय के रूप मे सुरक्षा का मंत्र प्रदान किया।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यदि व्यक्तिगत जीवन की बात की जाए तो उसमें भी हम पाते है कि हमारे दिन-प्रतिदिन की जीवनशैली में भी हम अनेक प्रकार की विपदाओ से गुजरते है। उनसे शिक्षा लेते है तथा अपनी सभ्यता(व्यक्तिगत) को आगे की ओर दिशा देते है।

महात्मा गाँधी जी ने अपनी पुस्तक "सत्य के साथ मेरे प्रयोग" में लिखा भी है कि किस तरीके से 'दक्षिण अफ्रीका' में उनके साथ भेदभाव किया गया। कितनी कठिन परिस्थितियो का सामना किया परन्तु वे उन विपदाओ से सीखते रहे तथा उन्होने भारत देश की सभ्यता (सामुहिक) को बदलने में विशेष भूमिका निभाई।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साहित्य जगत में प्रेमचन्द गोदान जैसे उपन्यास में लिखते है कि ग्रामीण सभ्यता किस तरीके से पलती है. विपदा देखती है और सीखती है। गोबर (पात्र) जैसे नवयुवक नवीन ग्रामीण सभ्यता के जीवन के प्रतिनिधि नायक के रूप में सामने उभरकर आता है।

विपदा और शिक्षा के बिना सभ्यता का विकास धीमा-सा जान पड़ता है। विपदा क्या होती है? विपदा किसी भी व्यक्ति, समूह या जगत में संकटकालीन अवस्था को दिखाती है जिसमें किसी के समक्ष चुनौती की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह विपदा रूपी चुनौती जब अधिक रूप से हावी होने लगे तो अत्यधिक नुकसान करती है। इसलिए इस विपदा से घबराने की जगह इससे सीखने पर बल देना चाहिए।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2019 में चीन के वुहान शहर से फैला कोरोना वायरस ने सम्पूर्ण विश्व में तहलका मचा दिया। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य आपातकाल तथा तालाबंदी (लाकडाउन) की स्थिति बनने लगी। कोविड-19 हमारे समक्ष एक विपदा के रूप में आया।

इस विपदा से हमने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा 'अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर' बनाने पर बल दिया तो वहीं 'ऑनलाइन एजुकेशन' 'वर्क फ्रॉम होम' जैसी नवीन अवधारणाओं को हमारे समाज ने आत्मसात किया तथा हमारी सभ्यता को नवीन दिशा दी। स्पष्ट रूप से यही "सभ्यता का मार्ग विपदा और शिक्षा के बीच दौड़" की सूक्ति को यथार्थ करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यहाँ हमें यह समझना जरूरी होगा की सभ्यता की दौड़ के लिए जरूरी नही की वह सदैव विकास उन्मुखी ही हो। शिक्षा के अभाव में सभ्यता पतन की ओर भी आगे बढ़ सकती है

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन की स्थिति ने भी हमारी सभ्यता को एक नवीन सिरे से सोचने पर विवश किया है आज हमारी सभ्यता के केन्द्र में 'ग्लोबल वार्मिंग', 'हरित जीवन' तथा 'नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत' प्रमुख रूप से ध्यान के केन्द्र बने हुए है

यह हमारी सभ्यता को विपदा और उससे प्राप्त शिक्षा की ही एक देन के रूप में देखा जा सकता है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

सभ्यता के विकास की एक कहानी भारतीय इतिहास में 18 वीं 19 वीं शताब्दी के दरमियान भी देखने को मिलती है जिसे हम सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन के रूप में जानते हैं राजा राम मोहन राय ने सती-प्रथा का विरोध कर, तो ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने विधवा-पुनर्विवाह तो वहीं वहीं सावित्री बाई-फूले ने महिला शिक्षा द्वारा सभ्यता के मार्ग को दिशा प्रदान की।

दार्शनिक जगत में भी वाद-विवाद की परम्परा ने हमारी भारतीय सभ्यता के साथ ही पाश्चात्य सभ्यता को भी विपदा और शिक्षा के सम्मिश्रण से बलवान बताया। शंकराचार्य, जॉन स्टुअर्ट मिल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बेथंम, सर्वपल्ली राधाकृष्णनन, विवेकानंद जी इस क्षेत्र में प्रमुख हस्ताक्षर हैं

सभ्यता की यह दौड़ तीव्र रूप से वर्तमान में भी चल ही रही है। हम इससे सीख रहे हैं तथा आगे बढ़ रहे हैं जैसे- आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI), बिग डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) इत्यादि के लगातार बढ़ते रहने से सभ्यता के समक्ष नवीन चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं हम इन चुनौतियों से सीख रहे हैं और इन्हीं दोनों के सहारे हमारी यह सभ्यता भी आगे बढ़ेगी। विपदा और शिक्षा के सहारे सभ्यता का मार्ग को दौड़ की दिशा प्रदान की जा रही है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

यह एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है जिसका अंत नहीं होता। विपदा और शिक्षा से आगे चलने की सभ्यता की प्रक्रिया "अंतः अस्ति आरंभ" से समझी जा सकती है।

"क्रांतिया इतिहास की इंजन होती है"
- कार्ल मार्क्स

ये क्रांतिया विपदा और शिक्षा के मिले जुले रूप को प्रदर्शित करती है तत्पश्चात इतिहास रूपी रेलगाड़ी का इंजन आगे चलता रहता है। सभ्यता को एक तरीके से नवीन जीवन से जोड़ने का कार्य सिक्षा तथा विपदा द्वारा अवसर प्रदान कर किया जाता है और इसी से हमारी परंपरा नित-निरंतर बढ़ती रहती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सफलता का मार्ग विपदा और शिक्षा के बीच की दौड़ को प्रदर्शित करता है। यह सफलता को प्रभावित करती है तथा उसे एक नवीन आकार प्रदान कर उसे संवारती है।

1789 की वो फ्रांस-क्रांति हो चाहे कोविड़ काल हो यह स्पष्ट रूप से हमारे समक्ष प्रस्तुत है कि वह कई परिवर्तन हमारे समक्ष प्रस्तुत करती है।

"आपदा में अवसर की भी संभावनाए हमेशा छुपी रहती है"
- अल्बर्ट आंइस्टीन

स्पष्टत: शिक्षा और विपदा सफलता के नवीन आयामो को कलेवर प्रदान कर उसे लोचशीलता तथा परिवर्तनीयता का गुण प्रदान करती है।

Drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं ि
चाहिये।

(Candidate mus
write on this m

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

SPACE FOR ROUGH WORK

सफलता का मार्ग विपदा और शिक्षा के बीच की डोर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Brainstorm

भविष्य या तो हरा होगा या होगा ही नहीं

Story : अमेज़न सहारा केस की story

Break the topic → भविष्य → what is future

Green होगा

→ या होगा ही नहीं

example

Proof / statement

↳ Desertification

↳ 6th Mass extension

↳ प्राणी/पक्षी विलुप्त

↳

Importance of Greenery

→ Health

Everything

→ Individual

→ Society

→ International

→ Solar System

new concept

Green Economy

Green Accounting

Green energy

Green life

mission Life project

pro planet people

Green Initiative

waste to wealth

Best case study

↳ चण्डीगढ़ नगर

↳ हैदराबाद शहर

↳ इन्दौर शहर

या तो होगा ही नहीं

→ इच्छा / आवश्य

→ अहीत अशोक द्वारा पवित्र किया पेड़ पौधे

→ मुगलों की गार्डन वाटिका प्रणाली

→ वर्तमान में शहरों में उद्यान

Challenges

यदि हरा नहीं हुआ तो

Way forward

link from story

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation